



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 467]
No. 467]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, मई 22, 2003/ज्येष्ठ 1, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 2003/JYAISTHA 1, 1925

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2003

सं. 12 (आर ई-2003)/2002—2007

का.अ. 574(अ) समय-समय पर यथासंशोधित निर्यात और आयात नीति, 2002-2007 के पैरा 1.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा-5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्यात और आयात नीति, 2002-2007(31-3-2003 तक यथा संशोधित) में निम्नलिखित संशोधन करती है:-

1. हीरा और आभूषण डालर एकाऊंट से संबंधित पैराग्राफ 4.4.18 को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है:-

अनगढ़े अथवा कट और पालिशड हीरों/बेशकीमती धातु आभूषण सादा, मीनाकारी और/अथवा हीरों से जड़ित/रहित तथा/अथवा अन्य बेशकीमती पत्थरों की खरीद/बिक्री में संलग्न फर्मों और कम्पनियों जिनका हीरों/रंगीन रत्न पत्थरों/हीरे और रंगीन पत्थरों से जड़ित आभूषणों/सादा स्वर्ण आभूषणों के आयात अथवा निर्यात में कम से कम तीन वर्षों का अनुभव हो तथा विगत तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान 5 करोड़ रूपए या उससे अधिक का औसत वार्षिक कारोबार किया हो वे भी नामित हीरा डालर एकाऊंट के माध्यम से अपना व्यवसाय कर सकती है। हीरा डालर एकाऊंट स्कीम इस अध्याय की चालू लाइसेंसिंग स्कीम के अन्तर्गत कार्य करेगी। यह स्कीम वैकल्पिक होगी और जो आयातक/निर्यातक रूपया एकाऊंट का इस्तेमाल जारी रखना चाहते हैं वे मौजूदा नीतियों के अन्तर्गत करने के लिए अनुमत होंगे।

बैंक फायनेंस और/अथवा निर्यात आय से इन एकाउंटों में उपलब्ध डालरों को केवल निम्न हेतु प्रयोग किया जाएगा:-

- (i) विदेशी/स्थानीय स्रोतों से अनगढ़े हीरों का आयात/खरीद,
- (ii) स्थानीय स्रोतों से कट और पालिशड हीरों, रंगीन रत्न पत्थरों और सादा स्वर्ण आभूषणों की खरीद,
- (iii) विदेशी/नामित एजेंसियों से स्वर्ण का आयात/खरीद तथा बैंक से डालर ऋणों का पुनर्भुगतान, तथा
- (iv) निर्यातक के रूपया एकाउंट में स्थानान्तरण। इस हीरा डालर एकाउंट स्कीम (डी डी ए एस) के ब्यौरे प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में दिए गए हैं। प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में उल्लिखित प्रक्रिया हीरा जड़ित आभूषणों पर लागू होगी।

गैर हीरा डालर एकाउंट धारक हीरा डालर एकाउंट धारक को कट और पालिशड हीरों की आपूर्ति भी कर सकता है, डालरों में भुगतान प्राप्त कर सकता है तथा 7 दिनों के भीतर उसे रूपयों में परिवर्तित कर सकता है तथा गैर- हीरा डालर एकाउंट धारक द्वारा इस प्रकार आपूर्ति कट और पालिशड हीरों को उसके निर्यात दायित्व की पूर्ति और/अथवा प्रतिपूर्ति लाइसेंस से उसकी हकदारी हेतु भी, जैसा भी मामला हो, गिना जाएगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[फ़. सं. 01/94/180/13/ए एम 04/पी सी-IV]

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2003

No. 12 (RE-2003)/2002—2007

S.O. 574(E).—In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with Paragraph 1.1 of the Export and Import Policy, 2002-2007, as amended from time to time, the Central Government hereby makes the following amendments in Exim Policy, 2002-07 (as amended upto 31.3.2003)

1. Paragraph 4.4.18 pertaining to the Diamond & Jewellery Dollar Accounts is amended as under:

Firms and companies dealing in the purchase/sale of rough or cut and polished diamonds/ precious metal jewellery plain, minakari and/or studded with/without diamond and/or other stones with a track record of at least 3 years in import or export of diamonds/ coloured gemstones/ diamond and coloured gemstones studded jewellery/ plain gold jewellery and having an average annual turnover of Rs. 5 crore or above during preceding three licensing years may also carry out their business through designated Diamond Dollar Accounts. The Diamond Dollar Account Scheme shall operate under the current licensing scheme of this chapter. This scheme shall be optional and those importers/exporters who wish to continue to use Rupee Accounts shall be allowed to do so under the existing policies.

Dollars in such accounts available from bank finance and/or export proceeds shall be used only for

- (i) Import/purchase of rough diamonds from overseas/local sources,
- (ii) Purchase of cut and polished diamonds, coloured gemstones and plain gold jewellery from local sources,
- (iii) Import/purchase of gold from overseas/ nominated agencies and repayment of dollar loans from the bank; and
- (iv) Transfer to the Rupee Account of the exporter. Details of this Diamond Dollar Accounts Scheme (DDAS) are given in the Handbook (Vol.1). The procedure outlined in the Handbook (Vol.1) shall also apply to diamond studded jewellery.

A non DDA holder is also permitted to supply cut and polished diamonds to DDA holder, receive payment in dollars and convert same into rupees within the period of 7 days and the cut and polished diamonds and coloured gemstones so supplied by non-DDA holder will also be counted towards the discharge of his export obligation and/or entitled him to replenishment licence as the case may be.

This issues in public interest.

[F. No. 01/94/180/13/AM04/PC-IV]

L. MANSINGH, Director General of Foreign Trade & Ex-officio Addl. Secy.